



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, २ सितम्बर, १९८९/११ भाद्रपद, १९११

हिमाचल प्रदेश सरकार

PERSONNEL (VIGILANCE) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 21st August, 1989

No. Per. (Vig) F-3 (PWD)-132/83.—In continuation of this Department's D. O. letter of even number dated the 24th February, 1989, the Governor, Himachal Pradesh, after consultation with Lokayukta of Himachal Pradesh, is pleased to extend the period for the submission of enquiry report relating to the purchase of GI/CI/HDP/LDP pipes and pipe fittings upto 31st December, 1989.

By order and in the name of Governor, Himachal Pradesh

B. C. NEGL,
Chief Secretary.

सामान्य प्रशासन विभाग
ख-अनुभाग

अधिसूचना

शिमला-२, १९ अगस्त, १९८९

संख्या जी० ए० डी० (जी० आई०) ६ (एफ०)-१२/७७-वोल-I. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या जी० ए० डी० (जी० आई०) ६ (एफ०)-१२/७७, तारीख १७ फरवरी, १९८९ के

आंशिक उपांतरण में और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की धारा 5 के साथ पठित हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 (1954 का 6) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तहसील जसवां, मुख्यालय कस्बा कोशला को अधिकारिता से पांच पटवार वृत्तों अर्थात् समनोली, बेह, शाम-नगर, चनौर तथा जामला को, हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा की तहसील देहरा में तुरन्त अन्तर्गत करते हैं।

आदेश द्वारा,
भगत चन्द्र नेगी,
मुख्य सचिव।

[Authoritative English text of H. P. Government notification No. GAD (GI) 6 (F)-12/77-Vol.-I, dated 19-8-1989 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India.]

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT

(B-Section)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th August, 1989

No. GAD (GI) 6(F) 12/77-Vol-I.—In partial modification of this Department notification No. GAD(GI) 6(F)-12/77, dated the 17th February, 1989 and in exercise of the powers conferred by section 6 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1954 (Act No. 6 of 1954) read with section 5 of the Registration Act, 1908 (Act No. XVI of 1908), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to transfer five patwar circles namely Samnoli, Beh, Sham-nagar, Chanour and Jamla from the jurisdiction of Tehsil Jaswan with headquarter at Kasba Kotla to the jurisdiction of Tehsil Dehra, District Kangra, Himachal Pradesh with immediate effect.

By order,
B. C. NEGI,
Chief Secretary.

Numbering: 100000 to 399999

Series: GD, GE, GG, GH.

HIMACHAL PRADESH STATE LOTTERIES

GOLDEN WEEKLY

Result of 69th draw held at Shimla on 25-8-1989 in the presence of Judges.

First Prize : (1) Rs. 2,00,000.00
(Common to all series).

GH-226228

Second Prize : (1) Rs. 5,000.00
(Same number of first prize
in the next series).

GD-226228

Third Prize : (118) Rs. 250.00 each (Last four digits of first prize number applicable to all series).	6228
Fourth Prize : (1080) Rs. 50.00 each (Last three digits of first prize number applicable to all series).	228
Fifth Prize : (118800) Rs. 35.00 each (Last one digit of first prize number applicable to all series).	8

The Directorate of State Lotteries will not be responsible for any mistake in printing. All ticket holders are advised to check the number in the State Gazette. For preferring claims of prizes please follow instructions on the reverse of the lottery tickets.

GOLDEN WEEKLY

DRAW ON EVERY FRIDAY

NEXT DRAW ON 1-9-1989 AT 3.00 P.M.

For terms and conditions of Lottery Agency please contact our Organising Agent:

M/S MARWAH AGENCY
R-831, NEW RAJINDER NAGAR
(OPP. R-BLOCK TAXI STAND)
NEW DELHI.

SHMLA-171 002:
The 25th August, 1989.

Sd/-
Deputy Director,
H. P. State Lotteries.

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 3 अगस्त, 1989

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5).—क्योंकि श्री ज्ञान चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत विशनाधार, विकास खण्ड आनी, जिला कुल्लू के निम्नलिखित कृत्यों में संलिप्त प्रतीत होते हैं :—

1. यह कि प्रधान श्री ज्ञान चन्द द्वारा पेयजल योजना गांव विशनाधार के लिए पंचायत समिति आनी से मु० 2000/- रुपये वर्ष 1982-83 में प्राप्त किए तथा पंचायत के रोकड़ से मु० 2003.22/- रुपये दिनांक 12-4-83 को 800 मीटर पीलीथीन नाली दिखा करके रोकड़ से खारिज किए जिससे मु० 2003.22/- रुपये रोकड़ की धनराशि का गबन किया।

2. यह कि मिडल स्कूल डिग्रेड के भवन निर्माण हेतु उक्त प्रधान द्वारा दिनांक 20-7-85 को विकास खण्ड अधिकारी, आनी से मु० 12,000/- रुपये प्राप्त किए गये। इस राशि का प्रधान द्वारा न तो पंचायत को कोई हिसाब किताब दिया गया और न ही यह राशि पंचायत में जमा करवाई।

3. यह कि मिडल स्कूल डिग्रेड के भवन निर्माण के लिए प्रधान द्वारा जनता से कर्मचारी वर्ग से मु० 100/- रुपये प्रति राशन कार्ड तथा ग्रन्थ से मु० 50/- रुपये प्रति राशन कार्ड की दर से प्राप्त किए। इस प्रकार 400 परिवारों से प्राप्त श्रमदान जो कि लगभग 20,000/- रुपये बनता है का गबन किया।

4. यह कि प्रधान द्वारा 1500 स्लेट का मूल्य मु० 3,750/- बताकर रसीद बनाई गई है जबकि हीरा लाल पुत्र श्री मंगल चन्द, गांव मनोता ने अपने व्यान में व्यक्त किया है कि उन्होंने प्रधान को 1400 स्लेट मु० 250/- प्रति सौ की दर से बेचे हैं। इस प्रकार स्लेटों का कुल मूल्य मु० 3,500/- रुपये बनता है तथा 250/- रुपये का स्पष्ट गबन किया है।

5. यह कि ग्राम पंचायत विशलाधार ने अपने कार्यालय प्रस्ताव संख्या 3, दिनांक 8-11-84 को उक्त कार्यालय की देखरेख हेतु चार सदस्यों की कमेटी बनाई जिसके अध्यक्ष श्री पूर्ण लाल बनाए गए थे। इसका सारा व्यय मु० 5,800/- रुपये हुआ तथा यह सारा कार्य प्रधान ने स्वयं किया तथा किसी को कोई जानकारी नहीं दी। प्रधान ने इस प्रकार पंचायत प्रस्ताव के विरुद्ध अपने पद का दुरुपयोग किया।

और क्योंकि श्री ज्ञान चन्द के विरुद्ध उपरोक्त आरोपों के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 57 के अन्तर्गत कार्यवाही वांछनीय है ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत जिसे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के साथ पढ़ा जाये, कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस के जारी होने की दिनांक से एक मास के भीतर-भीतर जिनाश्रीश कुलू के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायगी।

हस्ताक्षरित/-
संयुक्त सचिव।